Padmavati International school

Hosur-Rabkavi

CLASS 10 - HINDI B

Periodic Test - 1

Time Allowed: 3 hours **Maximum Marks: 85**

Section A

1. किस वाक्य में रेखांकित पदबंध क्रिया विशेषण पदबंध है ? **[1]**

   a) मोहन **एक मशहूर** गायक है।

   b) मैंने **अपनी सभी किताबें** बच्चों को दे दीं।

   c) वे मुझे अक्सर फ़ोन कर **लिया करती हैं**।

   d) वह **बहुत धीरे** चल रही है।

2. किस वाक्य का रेखांकित पदबंध संज्ञा पदबंध नहीं है ? **[1]**

   a) **काम करने वाले** हमेशा सफल होते हैं।

   b) **मौत से जूझने वाला वह** मर नहीं सकता।

   c) **भारत की राजधानी दिल्ली** में गर्मी है।

   d) मैंने **लोहे की अलमारी** खरीदी।

3. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ? **[1]**

   a) मैंने एक नई कार खरीदी

   b) सब लोग मंदिर गए हैं

   c) नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गईं

   d) वह बहुत धीरे चल रही है

4. रेखांकित पदबंधों में से कौनसा सर्वनाम पद का उदाहरण है ? **[1]**

   a) मैं **बहुत तेज़ी से दौड़कर** गया।

   b) **बेचारा वह** कहाँ जा सकता है?

   c) वह **पढ़कर सो गया है**।

   d) मुझे **चार किलो पिसी हुई** मिर्च ला दो।

5. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए- **[1]**

   a) मैं गले में दर्द होने के कारण कुछ नहीं बोलूँगा।

   b) क्योंकि मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

   c) मेरे गले में दर्द है। मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

   d) मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

6. वह मतलबी हो गया है कि सबको धोखा देता है। (संयुक्त वाक्य) **[1]**

   a) वह सबको धोखा देता है इसलिए वह मतलबी है।

   b) उसने मतलबी होकर सबको धोखा दिया।

   c) मतलबी होने के कारण वह सबको धोखा देता है।

   d) वह मतलबी हो गया है इसलिए सबको धोखा देता है।

7. मेरी बात मानकर तुम्हें खुशी मिलेगी। (मिश्रित वाक्य) **[1]**

   a) तुम खुश होगी कि तुमने मेरी बात मानी।

   b) तुम्हें ख़ुशी मिलेगी कि तुमने मेरी बात मानी।

   c) मेरी बात मानो और खुश रहो।

   d) जब तुम मेरी बात मानोगी, तब तुम्हें खुशी मिलेगी।

8. सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता। (मिश्रित वाक्य) **[1]**

   a) जो व्यक्ति सच बोलता है उसे कोई डरा नहीं सकता।

   b) वे सच बोलने वाले व्यक्ति हैं और उन्हें कोई नहीं डरा नहीं सकते।

   c) सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता।

   d) उन्हें कोई डरा नहीं सकता, इसलिए वे सच बोलते हैं।

9. यथासमय **[1]**

a) समय के साथ - अव्ययीभाव समास

b) समय के अनुसार - अव्ययीभाव समास

c) यथा है जो समय - अव्ययीभाव समास

d) जो समय सही हो - कर्मधारय समास

10. संसारसागर **[1]**

a) संसार है जो सागर - कर्मधारय समास

b) संसार रूपी सागर - कर्मधारय समास

c) संसार और सागर - कर्मधारय समास

d) संसार के समान सागर - कर्मधारय समास

11. नवरात्रि **[1]**

a) नव की रातें - तत्पुरुष समास

b) नौ रातों का समूह - द्वंद्व समास

c) नई रात्रि - कर्मधारय समास

d) नौ रात्रियों का समाहार - द्विगु समास

12. नीलगगन **[1]**

a) नील का गगन - तत्पुरुष समास

b) नील के लिए गगन - तत्पुरुष समास

c) नीला गगन - कर्मधारय समास

d) नीला है जो गगन - कर्मधारय समास

13. ऊँचाई पर होना **[1]**

a) सातवें आसमान पर होना

b) सातवीं कक्षा में होना

c) सातवीं डिग्री मिलना

d) सातवीं ज़मीन पर होना

14. इतना रुपया व्यर्थ करना ठीक नहीं, यह तो तुम्हारे पिताजी की _____है | **[1]**

a) कड़ी कमाई

b) व्यर्थ कमाई

c) गाढ़ी कमाई

d) काली कमाई

15. हाथ से जाने न देना **[1]**

a) अवसर का लाभ उठाना

b) किसी के हाथ बाँधना

c) कसकर पकड़े रखना

d) हाथ में पकड़ना

16. ख़ुशी का ठिकाना न रहना **[1]**

a) बहुत खुश होना

b) ख़ुशी गायब होना

c) ख़ुशी न होना

d) ख़ुशी का कोई घर न होना

Section B

17. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती हैं? **[2]**

18. मीरा श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं? **[2]**

19. व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए? **मनुष्यता** कविता के आधार पर लिखिए। **[2]**

20. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं? बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

21. तताँरा-वामीरो कथा में निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है? **[2]**

22. अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के सन्दर्भ में समुद्र के कोप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। **[2]**

Section C

23. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं, उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है? **[3]**

24. लेखक को किसके सहारे अपनी पढ़ाई जारी रखनी पड़ी? आप गरीब बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए विद्यालयों को क्या सुझाव देना चाहेंगे? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए। **[3]**

Section D

25. आपके क्षेत्र का डाकिया पत्रों का वितरण बड़ी लापरवाही से करता है। इधर-उधर फेंककर चला जाता है। एक शिकायती पत्र **[5]**

मुख्य डाकपाल को लिखिए।

26. कैंटोन अपार्टमेन्ट के चीफ़ सेक्रेटरी की ओर से सोसाइटी में रहने वाले लोगों को जल संरक्षण हेतु सचेत करने के लिए 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखिए। **[5]**

27. ज्वैलरी शॉप के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[5]**

28. कबीर ने अपने दोहे में 'हिरण' का उदाहरण किस संदर्भ में दिया है? क्या आप भी कबौर के विचार से सहमत हैं? अपना उत्तर स्पष्ट से लिखिए। **[5]**

29. हमें धन, क्षमता व उपलब्धियों पर गर्व क्यों नहीं करना चाहिए? कवि के अनुसार भाग्यहीन कौन है? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए। **[5]**

30. बड़े भाई ने किताबी ज्ञान की अपेक्षा अनुभव को ज्यादा महत्वपूर्ण बताने के लिए कौन-कौन से उदाहरण दिए हैं?' बड़े भाई साहब 'पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[5]**

31. प्रकृति में आए असंतुलन के कारण और उसके परिणामों की चर्चा, 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर कीजिए। **[5]**

Section E

32. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

Section F

33. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इनसे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[10]**

पानी ही इस सृष्टि का जन्मदाता है। जल से ही सब कुछ पैदा हुआ है। जन्म से मरण तक मनुष्य के जीवन के सभी कर्मकांडों, यज्ञों आदि में जल का बहुत महत्त्व है। तीर्थों पर जाकर निर्मल सरोवरों और बहती नदियों में स्नान का अपना ही महत्त्व है। जल दिव्य गुणयुक्त है। इसका ठीक प्रयोग शरीर व मन को स्वस्थ बनाता है, परिणामतः हमारे चेहरे पर एक मुसकुराहट होती है। जल के अभाव में मनुष्य के प्राण कंठ तक आ जाते हैं और सभी काम अधूरे रह जाते हैं। जल के बिना सृष्टि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जल को सम्मान का पर्यायवाची भी माना जाता है। परमात्मा की अनंत सामर्थ्य से आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी आदि तत्त्व उत्पन्न हुए हैं और उसमें ही पूर्वोक्त कर्म के अनुसार शरीर की उत्पत्ति हुई है।

मनुष्य के शरीर में 70% पानी की मात्रा का विस्तार है। पशु-पक्षियों का जीवन जल से निर्धारित है। पेड़-पौधों को पानी की आवश्यकता मौसम पर निर्भर है। पेड़-पौधे जितना पानी लेते हैं, वे वातावरण में उसे रिसने की क्रिया द्वारा छोड़ते भी हैं। इससे जलवायु में भी सुधार होता है। इस प्रकार जीवन में जल का बहुत महत्व होता है। जल ही जीवन है या कहिए जीवन ही जल है। जल को पीने व सिंचाई के लिए देना भी एक पुण्य का कार्य माना गया है। जल प्यासे के गले से उतरकर उसे मौत के मुँह से बचा लेता है। जल से प्यासे के रोम-रोम में जीवन का संचार हो उठता है।

i. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर पेड़-पौधों का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। (2)

ii. गद्यांश का केंद्रीय भाव दो-तीन वाक्यों में लिखिए। (2)

iii. मनुष्य के लिए जल किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है? (2)

iv. सृष्टि में पानी का क्या महत्त्व है? (2)

v. मनुष्य के शरीर में पानी कितने प्रतिशत होता है? (1)

vi. प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)